

BHAR. zu AK. 2, 9, 72 nach ÇKDn.

संक्षुषण (vom caus. von 1. डृष् mit सम्) 1) adj. (f. ई) schändend, verderbend: पानम् u. s. w. नारीसंक्षुषणानि षट् Spr. (II) 4044. मायावादसंक्षुषणी f. die Lehre von der Māyā (den Buddhismus) zu Schanden machend, Titel eines Werkes HALL 160. — 2) n. das Schänden: कन्या^० Jān. 3, 238. °करी वंशस्य HARIV. 9938.

संदर्भ (von दर्भ mit सम्) f. 1) Anblick; Ansehen Nir. 10, 40. सूर्यस्य RV. 2, 33, 1. 10, 59, 5. 3, 8, 2. ऋष्य श्रेष्ठा सुभास्य संदृक् 4, 1, 6. 6, 6. स्मर्त्ति वा संदृशि श्रिये 5, 74, 6. 87, 6. 6, 16, 8. 7, 88, 2. ऋषेः 10, 69, 1. 82, 2. AV. 7, 68, 3. 14, 2, 5. 12, 1, 18. VS. 4, 23. 36, 19. TS. 1, 6, 1. न संदेशे तिष्ठति त्रपमस्य कृत्तोर. 6, 9 = च्वरत्त. Up. 4, 20. — 2) Ausblick, Sehrichtung so v. a. दिम् षट्स्तभा विष्टरः पञ्च संदृशः RV. 2, 13, 10. — Vgl. वेप^०, पिशङ्ग^०, रूपव^०, सु^०, सुदृशीक^०, किरपय^०.

संदृश (wie eben) Aussehen in मधु^० (s. Nachträge).

संदृश्य (wie eben) adj. anzusehen, erscheinend als: अन्ध्यासघाती संदृश्यो (= रमणीयाङ्गः Nīlak.) उड्डयो सर्वराजभिः MBu. 2, 937. अषारमिव संदृश्यं (संदृश्य ed. Bomb.) सागरप्रतिमं बलम् 6, 2122.

संदृष्टि (wie eben) f. Anblick: रूपवः संदृष्टौ RV. 1, 144, 7. 2, 4, 4. ऋषेः 4, 10, 5. 6, 1, 4. 16, 25.

संदेह्य (von दिष् = दिक् mit सम्) m. 1) Zusammenkittung, verächtliche Bez. des menschlichen Leibes Çat. Br. 10, 5, 2, 8. Bru. År. Up. 4, 4, 13 bei Polvy, संदेह्य bei Roßa, संदेह्य Çat. Br. 14, 7, 2, 17. — 2) Ungewissheit, Zweifel Çat. Br. 3, 1, 2, 3. — Vgl. संदेह.

संदेव (सम् + देव) 1) m. N. pr. eines Sohnes des Devaka HARIV. 2025. — 2) f. घा N. pr. einer Tochter Devaka's und einer der Gattinnen Vasudeva's HARIV. 1948 (श्रीदेवा die neuere Ausg.). 2026 (सुदेवा die neuere Ausg.).

संदेश (von 1. दिष् mit सम्) m. 1) Anweisung, Auftrag, Botschaft; = संवाद Çaddar. im ÇKDn. संदेशमपर्याप्य Kauç. 46. Brāh. P. 3, 24, 5. संदेशं ब्रू R. 2, 59, 1. पद्मावतीदत्त^० Kathās. 17, 161. तस्मै तं सर्वसंदेशं शशंस 57, 126. श्रुत्वा तं वक्रसंदेशम् 47, 6. लेखे लिखित्वा संदेशमादाय पितुरत्तिकात् 59, 146. संदेशाकरणं Verz. d. Oxf. H. 143, b, No. 293. गृहीत Çāk. 55, 17. संदेशो वद कस्तव was hast du für einen Auftrag? Spr. (II) 1631. R. 4, 42, 14. संदेशं मे श्रोष्यसि Megh. 13. कथय चन्द्रस्य संदेशम् Pañśār. 162, 3. संदेशं शृणु मे वत्स तं कुर्याः R. Goar. 1, 79, 11. 5, 1, 77. अनुष्ठितो गुरोः संदेशः Çāk. 70, 3. संदेशतः पितुः im Auftrage des Vaters Kathās. 14, 64. अमंदेशाद्रामस्य R. 5, 24, 20. पश्चिमं संदेशमिच्छामि श्रोतुमात्मनः an mich R. Schl. 2, 72, 85. संदेशं प्रतिदास्यामि विज्ञोः HARIV. 7250. तस्याः सकाशात्संदेशो नयितव्यः । प्रभुस्य 8394. प्रियायाः (an die Geliebte) संदेशं मे क्व Megh. 7. संदेशमेतं दत्तवान्दानवेन्द्रे HARIV. 14380. वत्सराजाय ein Auftrag an Kathās. 14, 7. न्यवेदयत् — वत्सराजाय संदेशं तम् 11, 19. häufig in comp. mit der Person, von der der Auftrag u. s. w. kommt: राम^० R. Goar. 2, 49. fg. in der Unterschr. रामसंदेशमब्रवीत् 58, 14. 5, 38, 89. Megh. 86 (pl.). 97. Ragh. 12, 63 (pl.). Çāk. 61, 7. कश्चिदेषामुपाध्यायसंदेशः 64, 12. Vikr. 86, 17. तस्मै माधवसंदेशं शंसति स्म Kathās. 24, 118. उचतुः शक्रसंदेशं तस्मै 41, 21. पितृसंदेशकृत् Bhāg. P. 6, 1, 58. am Ende eines adj. comp. (f. घा): व्याकृत^० Kumāras. 6, 2. इति राज्ञोक्तसंदेशः Kathās. 44, 90. संक्रात^० Mār. P. 135, 40. — 2) Geschenk

Tak. 2, 8, 30. — 3) eine best. leckere Speise ÇKDn. — Vgl. प्रियं नेप^०, लेखसंदेशकारिन्.

संदेशक (von संदेश) m. Mittheilung: मिथ्यावार्त्तासंदेशकैः Pañśār. 51, 21. fg.

संदेशपद n. pl. der Wortlaut eines Auftrages: लघुसंदेशपदा सरस्वता Ragh. 8, 76.

संदेशवाच् f. Auftrag AK. 1, 1, 5, 18. H. 276.

संदेशकर m. Ueberbringer eines Auftrags, — einer Botschaft. Botschafter AK. 2, 8, 1, 16. Ragh. 3, 66.

संदेशकार adj. eine Botschaft überbringend: पावद्वापित^० Śāh. D. 88.

संदेशकारक m. = संदेशकर H. 734. unter den drei Arten von Dāta Śāh. D. 86. defniert durch पावद्वापितसंदेशकार 88. st. dessen शासनत्राकक Kām. Nitīs.

संदेशकारिन् adj. = संदेशकर. काश्यप^० Çāk. 61, 9.

संदेशार्थ m. pl. der Inhalt einer Botschaft MBu. 5.

संदेशोक्ति (संदेश + उ^०) f. Auftrag Hār. 106.

संदेश्य (von 1. दिष् mit सम् oder संदेश) adj. 1) anzuweisen, dem man Verhaltensmaassregeln zu geben hat Kathās. 67, 52. — 2) auf Anweisung beruhend oder absichtlich: पाप AV. 10, 1, 11. fg. 2, 8, 5. — 3) hier sig (wonn wir विदेश्य richtig gefasst haben) AV. 4, 16, 8.

संदेष्टव्य (von 1. दिष् mit सम्) adj. 1) anzuweisen, dem man Verhaltensmaassregeln zu geben hat: संदेष्टव्यां तु मन्ये त्वां द्विजातिं कोपनं प्रति MBu. 3, 17019. — 2) was man Jmd zu sagen hat, woran man Jmd (gen.) zu erinnern hat: अतो ऽन्यत्र (so mit der ed. Bomb. zu lesen) प्रपश्यामि संदेष्टव्यं हि किं च न MBu. 1, 4895. 13, 978. किं न खलु उप्यत्तस्य युक्तत्रपमस्माभिः संदेष्टव्यम् Çāk. 33, 2, 3.

संदेह्य (von दिक् mit सम्) m. 1) Zusammenkittung: अन्न^० Çat. Br. 10, 5, 2, 8. vorächtliche Bez. des menschlichen Leibes 14, 7, 2, 17. Kūānd. Up. 5, 15, 2. — 2) Zweifel, Zweifelhaftigkeit, Ungewissheit AK. 1, 1, 2, 12. H. 1375. HALĀS. 4, 6. 5, 3. 94. AV. Prāt. 4, 51. TS. Prāt. 1, 25. Comm. zu 14. 26. 4, 23. 5, 1. 21, 2. 5. Çāk. 11, 11. 33, 13. MBu. 3, 2201. °देशो प्राप्तं नश्यतः 9, 3525. Śāh. D. 202. BĀLAB. 4. मुनिः संदेहमागतः R. 1, 64, 10. इति संदेहः कस्य चित्ते न भासते Spr. (II) 4683. चिरमागमनं मनसि संदेहमारोपयति Prāb. 84, 8. सर्वसंदेहकृत्तम Mār. P. 20, 33. °भजनं कर Pañśār. 1, 10, 2. das zweite Glied in einem Adhikaraṇa SarvaḍarṇanāS. 123, 3. 126, 19. एकेन संदेहः पृष्टः eine dem Zweifel unterliegend Sache Verz. d. Oxf. H. 136, a, 6. एवमन्येषामपि सन्नानां संदेहा विद्यन्ते Zweifel in Bezug auf Nir. 2, 7. आत्मनश्चापि संदेहे मा कृवास्त्वं कुलस्य च R. 3, 42, 51. अर्थद्वेषस्य °च्छेदनम् Kām. Nitīs. 11, 50. त्रय्याम् HARIV. 11322. वचने Pañśār. 1, 4, 78. प्रभुवे नास्ति संदेहः R. 1, 72, 16. निगूढे नन्दिगुप्तादिदोके लोकस्य यो ऽभवत् । संदेहः स तथा तेन व्यक्तकृत्येन वारितः ॥ RĀGA-TAR. 6, 331. in comp. mit dem Begriffe, in Bezug auf welchen ein Zweifel obwaltet: वसासंदेहात् KĀTJ. Çr. 8, 8, 36. 25, 7, 30. ÇĀKĒB. Çr. 6, 1, 20. वीर्यसंदेहमागताः R. 1, 66, 21. अस्मिन्कार्यसंदेहे संप्राप्तवति उक्तेरे 5, 69, 9. विज्ञाय^० RĀGA-TAR. 1, 62. Hit. 57, 1. v. l. अर्थ^० 10, 11, v. l. °दायिन् VĀSAYAD. 3. °भजनं Pañśār. 1, 4, 77. °संदेहापनोदन Comm. zu AV. Prāt. 4, 108. Am Ende eines adj. comp. (f. घा): प्रातचारित्र्य^० R. 6, 100, 16. उच्छेन्नराज्य^० R. ed. Bomb. 4, 29, 6. निरस्ता-